|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Dersin Adı** | | **Kodu** | **Yarıyıl** | **T+U** | **Kredi** | **AKTS** | | **Türk Dil -II** | | 9901203 | 2 | 2+0 | 2 | 2 | | Ön koşul Dersler |  | | | | | | | Dersin Dili | Türkçe | | | | | | | Dersin Türü | Alan seçmeli | | | | | | | Dersin Koordinatörü |  | | | | | | | Dersi Veren |  | | | | | | | Dersin Yardımcıları |  | | | | | | | Dersin Amacı | Dilin kişi ve millet hayatındaki önemini; kelimelerin oluşumlarını, çeşitlerini, nerelerde ve nasıl kullanılmaları gerektiğini açıklayabilme. Yazma çalışmalarında kuşkuya düşmeden, imlâ kuralları uygulayabilme ve noktalama işaretlerini yerinde kullanabilme. | | | | | | | Dersin Öğrenme Çıktıları | Bu dersin sonunda öğrenci;  1- Türk Dilinin özelliklerini ve inceliklerini tanır,  2- Yazı dilindeki imla ve noktalama kurallarını uygular,  3- Türkçeyi etkili ve güzel yazılı ve sözlü olarak kullanır,  4- Dilekçe, tutanak, rapor gibi yazışmaları eksiksiz yapar,  5- Sözlü (konferans, açık oturum, panel, sempozyum…) ve yazılı (makale, deneme, fıkra, sohbet, biyografi…) türleri tanır. | | | | | | | Dersin İçeriği | Dil ve kültür, yeryüzündeki diller, tarih boyunca Türklerin kullandıkları alfabeler, Türk dilinin tarihî dönemleri, Türk dilinin bugünkü durumu ve yayılma alanları, ses bilgisi, biçim bilgisi, kelime türleri: isimler, fiiller, zarflar, edatlar, bağlaçlar, ünlemler, imlâ kuralları ve noktalama işaretleri, genel kompozisyon bilgileri. | | | | | | | **Haftalar** | **Konular** | | | | | | | 1 | Dersin önemi ve yararlanılacak kaynakların tanıtılması, Dil nedir? Dilin sosyal bir kurum olarak millet hayatındaki yeri ve önemi; | | | | | | | 2 | Kültür nedir? Dil-kültür ilişkisi nasıldır? | | | | | | | 3 | Türk Dilinin Yapı ve Menşe bakımından dünya dilleri arasındaki yeri ve önemi; Türk Dilinin tarihi gelişmesi ve tarihi devreleri. | | | | | | | 4 | Türk Dilinin bugünkü durumu ve yayılma alanları; Lehçe, şive, ağız nedir? | | | | | | | 5 | Türkçe ’de sesler ve sınıflandırılması | | | | | | | 6 | Türkçe’nin ses özellikleri ve ses bilgisi ile ilgili kurallar; hece bilgisi. | | | | | | | 7 | Cumhuriyet döneminde Türk Dilinin kelime hazinesini zenginleştirmek için yapılan çalışmalar | | | | | | | 8 | İmla kuralları ve uygulaması | | | | | | | 9 | Noktalama işaretleri ve uygulaması | | | | | | | 10 | Türkçe’nin ekleri ve uygulaması | | | | | | | 11 | Kompozisyonla ilgili genel bilgiler | | | | | | | 12 | Kompozisyon yazmada kullanılacak plan ve uygulaması | | | | | | | 13 | Türkçe ’de isim ve fiil çekimleri | | | | | | | 14 | Zarfların ve edatların Türkçe ’de kullanılış şekilleri | | | | | |  |  | | --- | | **Genel Yeterlilikler** | | Öğrencilerden bu dersin ana konularını anlamaları ve alanları ile uygulamalarında kullanmaları beklenir. | | **Kaynaklar** |  |  | | --- | | Erdoğan, R. (2011). Yükseköğretim Öğrencileri İçin Türk Dili Kompozisyon Bilgileri. Ankara: YÖK Matbaası.  Öner, S. (1993). Örneklerle Kompozisyon Sanatı (Düzenli yazma ve konuşma). İstanbul: Veli Yayınları | | **Değerlendirme Sistemi** | | Dönem başında ders izlencelerinde belirtilir. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **PROGRAM ÖĞRENME ÇIKTILARI İLE**  **DERS ÖĞRENİM ÇIKTILARI İLİŞKİSİ TABLOSU** | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **PÇ1** | | **PÇ2** | **PÇ3** | | **PÇ4** | **PÇ5** | | **PÇ6** | **PÇ7** | | **PÇ8** | **PÇ9** | | **PÇ10** | | **ÖÇ1** | 1 | | 1 | 1 | | - | 2 | | 1 | - | | 1 | 1 | | 4 | | **ÖÇ2** | 1 | | 1 | 1 | | - | 2 | | 1 | - | | 1 | 1 | | 4 | | **ÖÇ3** | 1 | | 1 | 1 | | - | 2 | | 1 | - | | 1 | 1 | | 4 | | **ÖÇ4** | 1 | | 1 | 1 | | - | 2 | | 1 | - | | 1 | 1 | | 4 | | **ÖÇ5** | 1 | | 1 | 1 | | - | 2 | | 1 | - | | 1 | 1 | | 4 | | **ÖÇ: Öğrenme Çıktıları PÇ: Program Çıktıları** | | | | | | | | | | | | | | | | | **Katkı**  **Düzeyi** | | **1 Çok Düşük** | | | **2 Düşük** | | | **3 Orta** | | | **4 Yüksek** | | | **5 Çok Yüksek** | |   Program Çıktıları ve İlgili Dersin İlişkisi   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Ders** | **PÇ1** | **PÇ2** | **PÇ3** | **PÇ4** | **PÇ5** | **PÇ6** | **PÇ7** | **PÇ8** | **PÇ9** | **PÇ10** | | Türk Dili- II | 1 | 1 | 1 | - | 2 | 1 | - | 1 | 1 | 4 | |